Delhi Metropolitan Education
Affiliated to GGSIP University, New Delhi & Approved by Bar Council of India

सिनेमेटिक धमाके के साथ शुरू हुआ CIFFI 2020

Ref no: 004/CIFFI-2/20 Date:-November15, 2020

सिनेस्टइंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया का दूसरा संस्करण - CIFFI 2020, का 15 दिसंबर को उद्घाटन हुआ । सात दिवसीय मेगा-ईवेंट, डीएमई मीडिया स्कूल, दिल्ली मेट्रोपोलिटन एजुकेशन, नोएडा,भारतऔर स्कूल ऑफ कम्युनिकेशंसएंड क्रिएटिव आर्ट्स, डीकिन विश्वविद्यालय, मेलबर्न,ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से आयोजित किया गया।यह दुनिया का पहला हाइब्रिड अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव है।

फिल्म फेस्टिवल का पहला दिन प्रख्यात विद्वानों और फिल्म निर्माताओं के संबोधनके साथ प्रारंभ हुआ। महोत्सव के पहले दिन क्यूरेट सेशन और पैनल डिस्कशन किया गया।

फिल्म महोत्सव के लिए प्राप्त फिल्मों को CIFFI 2020 की आधिकारिक वेबसाइट पर दो खंडों में ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया ।

क्यूरेट सेशन में 'बॉम्बे टॉकीज़ और ऑस्ट्रेलिया इंडिया कनेक्शन'कंटेंटका आदान-प्रदान किया गया। डॉ. विक्रांत किशोर, पाठ्यक्रम निदेशक-फिल्म, टेलीविजन और एनिमेशन, स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन और क्रिएटिव आर्ट्स, डीकिन विश्वविद्यालय, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया द्वारा सत्र को क्यूरेट किया गया, और इसमें पीटर डीट्ज़ की उपस्थितिमहत्वपूर्ण थी, जो मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में 'टर्नर एंडडीट्ज़क्रिएटिव' के साथ क्रिएटिव डायरेक्टर हैं। इस सत्र में 'शिराज' और'ए थ्रो ऑफ डाइस' नामक दो फिल्मों की विशेष प्रस्तुति की गई। सुश्री यशस्विका यादव, सहायक प्रोफेसर,डीएमईमीडिया स्कूल सत्र के लिए संचालक की भूमिका में थी।

सत्र के एक पैनल डिस्कशन में' डिजिटल युग में फिल्म निर्माण में आसानी और गुणवत्ता का मुद्दा'अहम विषयथे। COVID- 19 की पृष्ठभूमि में एक चर्चा डीएमई मीडिया स्कूल की छात्रा सुश्री प्रियंका नैथानी द्वारा संचालित की गई थी। संबंधित विषय पर डीएमईमीडिया स्कूल के छात्र

पैनलिस्टों द्वारा चर्चा की गई जिसमें शामिल थे- श्री सिद्धार्थ कुकरेजा, श्री शुभम मंडल, श्री मोहसिन अलकाब, सुश्री श्रिया सिंह और श्री आश्रय माथुर।

CIFFI 2020 के डीएमईऔर संरक्षक, उपाध्यक्ष श्रीअमन साहनी ने फिल्म फेस्टिवल पर कहा कि यह बहुत उत्साहित करने वाला महोत्सव है और यह कुछ नया सिखने के नये अवसर प्रदान करता है।

CIFFI 2020 की फेस्टिवल एसोसिएट डायरेक्टर और हेड, डीएमई मीडिया स्कूल डॉ. सुस्मिता बाला ने भागीदारी की सराहना की और छात्रों से फिल्म फेस्टिवल में अधिक से अधिक शामिल होने का आग्रह किया।

डॉ. विक्रांत किशोर ने डीएमई के साथ सहयोग के संबंध में अपनी खुशी व्यक्त की और दोनों विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए फिल्म महोत्सव के महत्व का उल्लेख किया।

पीटर डीट्ज़ ने CIFFI 2020के साथ भागीदारी पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा "मैं बॉलीवुड के बारे में बात करने के लिए उत्सुक हूं"।

डॉ. साइमन विल्मट, एसोसिएट हेड ऑफ स्कूल- इंटरनेशनल एंड पार्टनरशिप, स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड क्रिएटिव आर्ट्स, डीकिन यूनिवर्सिटीने ऑनलाइन संचार की संभावनाओं के बारे में बात की। उन्होंने कहा, "हमने महामारी के दौरान बाधाओं और दीवारों का निर्माण किया और टेक्नोलॉजी के माध्यम से उसे ओवरकम किया"।

डीकिन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड क्रिएटिव आर्ट्स की डॉ. सियान मिशेल ने फिल्म महोत्सव के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं और कहा "मैं CIFFI 2020 की टीम द्वारा इस तरह के चुनौतीपूर्ण समय में फिल्म समारोह का संचालन करने के प्रयासों की सराहना करती हूं।"

CIFFI 2020 के फेस्टिवल डायरेक्टरऔर डीन डीएमई मीडिया स्कूल, नोएडा के डॉ. अंबरीष सक्सेना ने इस आयोजन के बारे में अपने विचार रखते हुए कहा कि "मैं महोत्सव में मिले समर्थन और भागीदारी से प्रसन्न हूं", ।

प्रोफेसर के.जी. सुरेश, वाइस चांसलर, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता और संचार विश्वविद्यालय, भोपाल ने फिल्म निर्माण के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने कहा “सिनेमा ने

लोगों को जीवन में महान काम करने के लिए प्रेरित किया औरसिनेमा हमेशा प्रासंगिक बना रहेगा। "।

प्रो. उज्जवल चौधरी, प्रो वाइस चांसलर और डीन, स्कूल ऑफ मीडिया, कम्युनिकेशन एंड फैशन, एडामास यूनिवर्सिटी, कोलकाता ने एक प्रस्तुति की मदद से नए डिजिटल युग में सिनेमा में बदलाव के बारे में बताया। CIFFI 2020 के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, "यह फिल्म महोत्सव वर्चुअल और रियलिटी का मिश्रण है।"

डॉ. पी.एन. वासंती,महानिदेशक, सीएमएस,वातावरणने फिल्म फेस्टिवल के संचालन के पीछे के प्रयासों की सराहना की। जागरूकता फैलाने में सिनेमा की भूमिका पर , उन्होंने कहा, "COVID-19 महामारी के दौरान, हमने महसूस किया है कि पर्यावरण के साथ हमारा संबंध कितना संवेदनशील है।"

एमिटी स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा की संयुक्त कार्यवाहक प्रमुख डॉ. गौरी डी चक्रवर्ती ने उल्लेख किया कि डिजिटल सिनेमा ने समाज को कई तरह से लाभान्वित किया है। उन्होंने कहा, "ओटीटी स्पेस ने औचित्य को देखने में मदद की है।"

डीएमई के निदेशक डॉ. रविकांत स्वामी ने वर्तमान समय में वास्तविक दुनिया और रील वर्ल्ड की धुंधली रेखाओं के बारे में कहा, "COVID के कारण, रियल और रील वर्ल्ड का समागम हुआ है।"

भारत सरकार के विज्ञान प्रसार के निदेशक डॉ. नकुल पाराशर ने विज्ञान और सिनेमा के संबंध पर अपने विचार रखें, उन्होंने कहा"विज्ञान मोशन पिक्चर्स की मदद से बहुत लोगों के अनुकूल हो गया है।"

डॉ संजय रानाडे, अनुसंधान केंद्र, संचार विभाग और पत्रकारिता विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय ; श्री आदित्य सेठ, फिल्म निर्देशक और वृत्तचित्र फिल्म निर्माता; फिलिप मैकइंटायर, न्यूकैसल विश्वविद्यालय में संचार और मीडिया के प्रोफेसर; और श्री प्रवीण नागदा, फेस्टिवल डायरेक्टर KidzCINEMA 2020 ने उद्घाटन सत्र को प्रेरणाभरी बातों से समृद्ध किया।

नई दिल्ली फिल्म फाउंडेशन (NDFF) के अध्यक्ष श्री अमिताभ श्रीवास्तव और सचिव श्री आशीष कुमार सिंह , बॉलीवुड के जाने माने अभिनेताश्री मुजम्मिल हयात भवानी ; श्री कंवर दीपक गुलाटी, रंगमंच और फिल्म व्यवसायी, लेखक, अभिनेता और निर्देशक, नई दिल्ली और श्री अशोक

पुरंग, रंगमंच और फिल्म व्यक्तित्व, मुंबई ने प्रेरणादाई शब्दों के साथ अपने विचार व्यक्त किए।